दिनांक 18 जनवरी 2019 को (1) पश्चिम रेलवे के प्रथम हेरिटेज खंड पातालपानी–कालाकुंड पर चलने वाली विशेष हेरिटेज ट्रेन तथा इंदौर रेलवे स्टेशन पर 100 फीट ऊँचे राष्ट्रीय ध्वज के राष्ट्र के लोकार्पण और (1) इन्दौर से बीकानेर के बीच इंदौर–बीकानेर एक्सप्रेस (19333/19334), (2) इन्दौर से दिल्ली के बीच इंदौर–दिल्ली सराय रोहिल्ला एक्सप्रेस तथा (3) इन्दौर और गांधीधाम के बीच इंदौर–गांधीधाम एक्सप्रेस (19336/19335) तीन नई ट्रेनों के शुभारंभ तथा इंदौर पटना एक्सप्रेस (19313/19314) की आवृति सप्ताह में एक दिन से बढ़ाकर दो दिन करने तथा इंदौर–उदयपुर वीरभूमि एक्सप्रेस (193229/19330) के समय में परिवर्तन की घोषणा के अवसर पर माननीय लोक सभा अध्यक्ष का भाषण।

1. आज 18 जनवरी 2019 को पश्चिम रेलवे के प्रथम हेरिटेज खंड पातालपानी–कालाकुंड पर चलने वाली विशेष हेरिटेज ट्रेन तथा इंदौर रेलवे स्टेशन पर 100 फीट ऊँचे राष्ट्रीय ध्वज के राष्ट्र के लोकार्पण, इंदौर से तीन नए ट्रेनों के शुभारंभ, एक ट्रेन की आवृति बढ़ाने एवं एक ट्रेन के समय परिवर्तन किए जाने के इस शुभ अवसर पर आपके बीच उपस्थित होकर मुझे गर्व का अनुभव हो रहा है।

2. मध्यप्रदेश में इंदौर पश्चिम रेलवे के एक महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों में से एक है। इंदौर से पातालपानी–कालाकुंड पर चलने वाली विशेष हेरिटेज का उद्घाटन करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। इंदौर को tourist destination बनाने की दृष्टि से एवं कालाकुंड वैली में पर्यटन की संभावनाओं को और अधिक प्रोत्साहित करने की दृष्टि से यह हेरिटेज ट्रेन बहुत ही आकर्षक सिद्ध हो सकती है। छोटी लाइन के इस प्राचीन रेल मार्ग पर यात्रा करते हुए पर्यटकों को बहुत अनूठा अनुभव मिलेगा। इस ट्रेन में सारी आधुनिकतम सुविधाओं की व्यवस्था है जैसे एलईडी टीवी, सी.सी.टीवी,

वाईफाई, खूबसूरत फर्नीचर्स, साज–सज्जा एवं खूबसूरत पेंटिंग्स इत्यादि। Adventurous tourists, camping, star gazing and trekking के लिए तो कालाकुंड के पास दो पहाड़ियों के बीच स्थित कुशलगढ़ किला एक ऐसा लोकप्रिय टूरिस्ट डेस्टिनेशन है ही। मुझे विश्वास है कि इसके प्रारंभ होने से पर्यटकों की संख्या में प्रत्याशित वृद्धि होगी।

3. हमारी स्वतंत्रता के 72 वर्ष पूर्ण होने पर इंदौर रेलवे स्टेशन पर 100 फीट ऊँचे राष्ट्रीय ध्वज को राष्ट्र को समर्पित करते हुए मुझे अत्यन्त हर्ष एवं गर्व की अनुभूति हो रही है। राष्ट्रभक्ति एवं देशप्रेम में इंदौर के लोगों का कोई सानी नहीं है। अब हमें कोई भी शक्ति कभी भी पराजित नहीं कर सकती, विजय के इस उद्घोष से इस देश के प्रत्येक नागरिक को परिचित कराने का यह एक माध्यम है। तिरंगा हमारी आन–बान और शान है। हम सब इस तिरंगे के समक्ष खड़े होकर जैसा अनुभव कर रहे हैं, उसका वर्णन हम शब्दों में नहीं कर सकते। सदैव यही अवर्णनीय भाव हमारी भावी पीढ़ियों के मन में भी होना चाहिए।

3. यह बहुत प्रसन्नता का विषय है कि आज से (1) **इन्दौर और बीकानेर के बीच इंदौर–बीकानेर एक्सप्रेस (19333/19334), (2) इन्दौर से दिल्ली के बीच इंदौर–दिल्ली सराय रोहिल्ला एक्सप्रेस तथा (3) इन्दौर और गांधीधाम के बीच इंदौर–गांधीधाम एक्सप्रेस (19336/19335) तीन नई ट्रेनों का शुभारंभ हो रहा है।**

4. जहां एक रेलगाड़ी हमें बीकानेर के लिए मिली है, वहीं दूसरी रेलगाड़ी हमें दिल्ली के लिए मिली है और तीसरी रेलगाड़ी गांधीधाम के लिए मिली है। इन नई रेलगाड़ियों के परिचालन से इंदौर और इसके आस-पास के क्षेत्रों के लोगों को बीकानेर,

दिल्ली और गुजरात के विभिन्न शहरों जैसे सूरत, बडोदरा, अहमदाबाद एवं गांधीधाम आने–जाने में बहुत सुविधा होगी।

5. साथ ही, इंदौर पटना एक्सप्रेस (19313/19314) की आवृति सप्ताह में एक दिन से बढ़ाकर दो दिन कर दी गई है जिससे इंदौर से पटना आने–जाने वाले यात्रियों को बहुत सुविधा होगी। इसी प्रकार, यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इंदौर–उदयपुर वीरभूमि एक्सप्रेस (193229/19330) के समय में परिवर्तन भी किया जा रहा है। ये सभी कदम रेलयात्रियों की सुविधा हेतु हैं। मुझे विश्वास है कि इन कदमों से इंदौर ही नहीं पूरे मालवांचल के निवासी लाभान्वित होंगे एवं उन्हें अच्छा अनुभव होगा।

5. हमने जब–जब रेल मंत्रालय से इंदौर एवं उसके आस–पास के निवासियों के लिए सुविधा प्रदान करने एवं नई रेलगाड़ी प्रारंभ करने का अनुरोध किया है, तब–तब उन्होंने हमारे प्रस्ताव को स्वीकार किया है एवं इंदौर को नई रेलगाडियां दी हैं, चल रही रेलगाड़ियों के फेरे बढ़ाएं हैं, उनके समय में जरूरत के मुताबिक परिवर्तन किया है, **इन कार्यों के लिए मैं इंदौर के नागरिकों की ओर से रेल मंत्री, रेल राज्यमंत्री, रेलवे बोर्ड सहित सभी रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति धन्यवाद व्यक्त करती हूं।**

6. मुझे इस बात की भी खुशी है कि इंदौर देश के लगभग सभी बड़े शहरों एवं राज्यों की राजधानियों से सीधे जुड़ गया है जिससे आवागमन में काफी सुगमता आई है। मध्य भारत के इस क्षेत्र में रेल यातायात का सबसे जरूरी व उपयोगी संसाधन है। चाहे माल ढुलाई हो या लोगों की आवाजाही, रेल की भूमिका बढ़ी है।

7. महू–खंडवा रेलवे लाइन पर Broad Gauge conversion का कार्य भी प्रगति पर है। इस रेल लाइन के Broadgauge conversion से इन्दौर खंडवा के रास्ते सीधे मुम्बई से जुड़ जाएगा जिससे कम खर्च में रेलयात्रा एवं माल परिवहन का कार्य संपन्न हो सकेगा।

8. **रेल की इस विकास यात्रा में रेल मंत्रालय और इंदौर वासियों का बराबर का योगदान है। इंदौरवासी निरंतर अपनी मांग करते हैं और रेल मंत्रालय उन मांगों को सहर्ष स्वीकार करता है।**

9. रेल की विकास यात्रा केवल इंदौर तक सीमित नहीं है। यह इस बात से स्पष्ट हो जाती है कि वर्ष 1947 में हमारे पास 55,000 किलोमीटर की रेल लाइन थी जो अब 70 वर्षों में बढ़कर 1,21,000 किलोमीटर से अधिक हो गई है। अभी 38 प्रतिशत रेल लाइनें (electrified) विद्युतीकृत हो गईं हैं और उम्मीद है कि यह धीरे–धीरे यह 100 प्रतिशत लाइनें electrified हो जाएंगी।

10. रेलवे के विद्युतीकरण से जहां heavier freight व longer passenger train चलाने की संभावना बढ़ी है। इंदौर और उससे जुड़ी कई लाइनों का विद्युतीकरण हुआ है, कुछ पर कार्य चल रहा है, कई रेलखंडों का गेज कन्वर्सन हुआ है, यह सब सराहनीय है एवं पूरे मालवांचल के लिए बहुत ही उपयोगी सिद्ध होगा।

11 **जिस प्रकार नदी–घाटी सभ्यता में सभी महान शहर नदियों के किनारे बसे थे, उसी प्रकार आधुनिक समय में रेल अवसंरचनाएं आधुनिक अर्थव्यवस्था के इंजन के रूप में हमारे समक्ष हैं।** मैंने अनुभव किया है कि हमारे देश के लगभग सभी बड़े शहर

रेलमार्ग से आपस में जुड़े हैं एवं उस शहर की अर्थव्यवस्था में रेलवे का विशिष्ट योगदान रहा है। तो हम रेल अवसंरचना निर्माण ही नहीं कर रहे हैं बल्कि अर्थव्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं।

12. आधुनिकता एवं सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में रेल सेवा भी आधुनिकता की ओर बढ़ रही है। विकास के केन्द्र में मेट्रो रेल जैसी व्यवस्थाएं भी हमारे समक्ष है जो huge foreign investments का केन्द्र–बिन्दु बनती जा रही हैं। रेलवे के पास बहुत सारी परिसम्पत्तियां खाली पड़ी हैं। यदि उनका सही ढंग से उपयोग एवं व्यवसायीकरण किया जाए तो लाखों रुपये की आमदनी उस भूमि से हो सकती है जिसे हमने खाली छोड़ रखा है।

13. भारतीय रेल पिछले 161 सालों से राष्ट्र की सेवा करती आ रही है। रेलगाड़ियां आवागमन का न केवल सर्वाधिक लोकप्रिय बल्कि बहुत ही सुविधाजनक और सस्ता साधन भी हैं। रेलवे हमारे देश की जीवन रेखा है। अर्थव्यवस्था और समाज को गति देने के साथ–साथ रेलवे देश की सामाजिक-आर्थिक प्रगति में भी बहुत योगदान कर रही है।

13. निश्चय ही तीन नई रेलगाड़ियों के प्रारंभ होने से इंदौर और उसके आस–पास के निवासियों की परिवहन संबंधी सुविधाओं में बढ़ोत्तरी होगी। **मैं यह भी आशा करती हूं कि भविष्य में सेमी बुलेट/अधिक तेज गति से चलनेवाली रेलगाड़ियां भी हमारे संसदीय क्षेत्र के निवासियों को रेलवे की ओर से सौगात के रूप में मिलेगी।**

14. रेल मंत्रालय का निरंतर प्रयास रहता है कि रेलयात्रियों को निरंतर आधुनिकतम एवं बेहतर सुविधाएं प्रदान की जा सकें। मैं एक बार फिर रेल मंत्री, रेल राज्य मंत्री, रेलवे बोर्ड एवं पश्चिम रेलवे के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद देती हूँ

कि आप सबने इन्दौर में रेल सुविधाओं के विस्तार करने एवं आधुनिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य को पूर्ण किया हैं। इस कार्यक्रम के वृहत् एवं सफल आयोजन के लिए मैं पश्चिम रेलवे के सभी कर्मचारियों को भी बधाई देती हूं।

धन्यवाद ।